

तारीख
हकम

हकम का कार्यवाही मय इन्विशियल्स जज

नम्बर व
जो इस
में

मदनी बनाम सरकार

प्रार्थना पत्र 212 आर.टी.एक्ट

26.10.2021 आज यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.एक्ट का वकील प्रार्थी द्वारा अप्रार्थीगण के विरुद्ध प्रस्तुत कर अप्रार्थीगण को जरिये अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द करने का निवेदन किया कि वो विवादित आराजी खरारा संख्या 3662/0.17, 3670/4737/0.78, 3687/0.70, 3708/0.95, 553/0.01, 554/0.12, 555/0.11, 610/4739/0.35, 611/4736/0.01, 616/0.03, 603/0.04, 604/0.04, 3659/0.02, 3660/0.01, 3661/0.02 वाके ग्राम राजगढ से प्रार्थीगण को जबरन बेदखल नही करे व प्रार्थीगण के कब्जे काश्त में कोई रुकावट मजाहमत पैदा नही करे। साथ में शपथ पत्र पेश किया।

प्रार्थना पत्र प्रार्थी, शपथ पत्र व प्रस्तुत दस्तावेज पर विश्वास करते हुये अप्रार्थीगण को जरिये अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा से दिनांक 02.11.2021 तक पाबन्द किया जाता है कि विवादित आराजी की रिकार्ड की यथास्थिति बनाये रखने बाबत अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है इस संबध में कोई आक्षेप हो तो दिनांक 02.11.2021 को उपस्थित न्यायालय होकर पेश करें। दर्ज हो।

उपखण्ड अधिकारी
राजगढ (अलवर)

अभिभाषक मण्डल ने कार्य
स्थगित किया है। दिनांक 02.11.21.
को धारा हो

S.D.O.

25/11/21

डिमाई पेशी से पेश।
वकील प्रार्थी व पैरोकार के
प्रतिनिधी उप. पैरोकार की
तरफ से जवाब पेश करना
नही चाहते अतः जवाब अप्रार्थी
बंद किया जाता है बास्ते
अहम प्रा. पत्र दि. 08/11/21 को
पेश हो

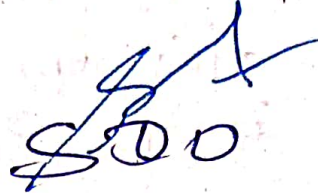
तारीख
हुकम

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी राजगढ़
हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर
जो इस

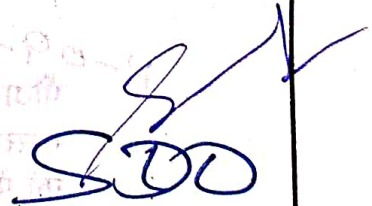
24/09/25

पञ्जावली इन्डस्ट्रियल बिल्डिंग्स
पेशा। वकील प्राची उपरी वास्ते
वदम दिनांक 28/10/25 को
पेश हो।


S/O

28/10/25

पञ्जावली पेशा। मूलवाद
अदम हाजिरी एवं अदम पैरवी
के तहत खारिज किया जा चुका
है अतः पञ्जावली प्रार्थना पत्र
212 RT मय की कार्यवाही
बंद की जाती है। पञ्जावली
नम्बर से कम होकर वास्तु
मूलवाद के साथ संलग्न है।


S/O

तारीख
हुवम

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, राजगढ़

हुवम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

1/130/2021

24/09/25

पत्रावली इकजाइतारी ख सेपेश
वकील वाकी व वैरो. हति. डप. वाल
विदस दिनांक 28/10/25 को पेशवा

500

28/10/25

पत्रावली पेशवा वादी वकील व
स्वयं वादी अनुपस्थित का कारण
आवाज दिनांक जाने के बावजूद
वादी वकील व स्वयं वादी
अनुपस्थित रहे अतः पत्रावली
अदम हाजिरी एवं अदम परकी
के तहत खारिज किया जाता है
पत्रावली नम्बर से कम हो कर
जमा हो।

500